ब्रेकथ्रू के पाठ्यक्रम से हरियाणा के स्कूलों में जेंडर के प्रति नजरिये और व्यवहार में आया बदलाव

हरियाणा के 314 स्कूलों में 14000 किशोर-किशोरियों पर किया गया जे पाल सर्वे

नई दिल्ली,30 नवंबर 2017, मानवाधिकार और महिला मुद्दों पर काम करने वाली स्वंयसेवी संस्था ब्रेकथ्रू ने आज हरियाणा के 314 स्कूलों के 14000 किशोर-किशोरियों पर किये गए जे पाल सर्वे के परिणाम साझा किये।इस सर्वे में हरियाणा के चार जिलों पानीपत,सोनीपत,रोहतक और झज्जर के ब्रेकथ्रू द्वारा कार्यक्रम के लिए चयनित 150 स्कूलों सहित तुलनात्मक अध्ययन के लिये अन्य 164 स्कूलों को शामिल किया गया। ब्रेकथ्रू के स्कूल आधारित विशिष्ठ जेंडर संवेदीकरण कार्यक्रम का मूल्यांकन करते हुए अब्दुल लतीफ जमील पॉवर्टी एक्शन लैब(जे पाल) ने निष्कर्ष निकाला कि कार्यक्रम से लाभांवित छात्र-छात्राओं के जेंडर के प्रति नजरिये और व्यवहार में निर्णायक बदलाव पाया गया,यदि उनके साथ जेंडर संवेदीकरण कम आयु में शुरू कर दिया जाए तो लैंगिक भेदभाव में निर्णायक बदलाव लाया जा सकता है।

इस अवसर पर ब्रेकथ्रू की सीईओ सोहनी भट्टाचार्य ने कहा कि जे पाल के मूल्यांकन से हमें पुख्ता सबूत मिलता है कि भारी लैंगिक भेदभाव वाले हरियाणा जैसे राज्य में भी जेंडर संवेदीकरण पाठ्यक्रम से लोगों के नजरिये और व्यवहार में बदलाव लाया जा सकता है।हम चाहते हैं कि यह पाठयक्रम पूरे भारत के स्कूलों में लागू किया जाये जिससे कि देश की महिलाएं और लड़कियां वास्तविक समानता के साथ सुरक्षित और सहयोगी वातावरण का अनुभव करें।हम मानव संसाधन विकास मंत्रालय को यह पीटिशन दे रहे हैं कि इस पाठ्यक्रम को हमारे शिक्षा प्रणाली का अभिन्न अंग बनाया जाए।हमारी सभी से अपील है कि पीटीशन साइन करके इस मुहिम में शामिल हों।

2011 के आकंडों के मुताबिक में भारत में लिंग अनुपात के मामले में लड़कियों की स्थिति चिंताजनक है।हरियाणा जैसे राज्य में (0-6)आयुवर्ग में यह गिरकर 830 लड़कियां प्रति हजार लड़को पर आ गया है।किशोरावस्था में कदम रखते ही लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर (ड्राप आउट) बढ़ जाती है।प्रति 100 किशोरों पर सिर्फ 73 लड़किया माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा प्राप्त कर पाती हैं।इस स्थिति को बदलने के लिए ही ब्रेकथ्रू ने एक तीन वर्षीय जेंडर संवेदीकरण कार्यक्रम कक्षा 7-9 के छात्र-छात्राओ(12-15 आयुवर्ग) के लिए विकसित किया है।

इस सर्वे के परिणाम काफी उत्साहजनक रहे हैं विशेषकर हरियाणा में गहरे जेंडर भेदभाव के संदर्भ में ,इस हस्तक्षेप के कारण जेंडर एटीट्यूड इंडेक्स(लैंगिक नजरिये संबंधी सूचक) में 4 फीसदी का इजाफा देखा गया।जो कि लैंगिक नजरिये में निर्णायक सुधार दर्शाता है।जेंडर आधारित व्यवहार में भी 3 फीसदी बढ़ोत्तरी देखी गई जो कि संपूर्ण विकासशील व्यवहार को दर्शाता है।रोचक बात यह है लड़को में यह व्यवहार परिवर्तन ज्यादा निर्णायक रूप से सामने आया है।जिससे यह पाठ्यक्रम इस विषय पर लड़को के साथ काम करने के लिए उपयोगी माध्यम या साधन हो सकता है।

इस पाठ्यक्रम का एक उत्साहित करने वाला परिणाम यह भी रहा कि उन अभिभावकों के बच्चे जो अपने बच्चों से लैंगिक भेदभाव करते थे, वो भी उन अभिभावकों के बच्चों के सामान हो गए जिनके अभिभावक विकासशील नजरिये के थे।

परिणामों के विश्लेषण से यह भी पता चलता है कि महिलाओं द्वारा घर के बाहर रोजगार करने के प्रति नजरिये में 7 फीसदी सकारात्मक बदलाव पाया गया।हरियाणा जहां महिलाओं को घर से बाहर निकलने नही दिया जाता है वहां यह एक अविश्विनीय परिवर्तन है।महिलाओं के लैंगिक भूमिका(जेंडर रोल्स) के प्रति नजरिये में भी 3.6 फीसदी का सकारात्मक बदलाव पाया गया,जो कि यह दर्शाता है कि महिलाओं की रूढ़ीवादी भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। शिक्षा के प्रति नजरिये में भी 4 फीसदी सकारात्मक बदलाव पाया गया है।जो कि दिखाता है कि लड़कियों को लड़को के समान शिक्षा दिये जाने की जरूरत है।

ब्रेकथ्रू के बारे में :-

ब्रेकथ्रू एक मानवाधिकार संस्था है जो महिलाओं और लड़कियों के ख़िलाफ़ होने वाली हिंसा और भेदभाव को समाप्त करने के लिए काम करती है।

कला,मीडिया,लोकप्रिय संस्कृति और सामुदायिक भागेदारी से हम लोगों को एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं,जिसमें हर कोई सम्मान,समानता और न्याय के साथ रह सके। हम मल्टीमीडिया अभियानों के माध्यम से मानवाधिकार से जुड़ें मुद्दों को मुख्य धारा में ला रहे हैं।इसे देश भर के समुदाय और व्यक्तियों के लिए प्रासंगिक बना रहे हैं।इसके साथ ही हम युवाओं,सरकारी अधिकारियों और सामुदायिक समूहों को प्रशिक्षण भी देते हैं,जिससे एक नई ब्रेकथ्रू जेनरेशन सामने आए जो अपने आस-पास की दुनिया में बदलाव ला सके।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-

पूर्वा खेत्रपाल
ब्रेकथ्रू
07827602674